एम.आर.पी.-002

रेडियो प्रसारण में स्नातकोत्तर डिप्लोमा कार्यक्रम (PGDRP)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2008

एम.आर.पी.-002 : रेडियो माध्यम

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : ***सभी*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए । सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।*

1. रेडियो के लिए साक्षात्कार की प्रमुख विशेषताओं का उल्लेख करते हुए बताइए कि रेडियो साक्षात्कार की तैयारी और साक्षात्कार के दौरान किस तरह की सावधानियाँ रखी जानी चाहिए । *20*

अथवा

रेडियो के लिए एक प्रमुख साहित्यकार या नाटककार से साक्षात्कार की तैयारी का ब्यौरा देते हुए दस प्रश्नों की एक प्रश्नावली तैयार कीजिए ।

2. रेडियो रूपक की क्या विशेषताएँ होती हैं ? रेडियो रूपक के लेखन के दौरान किन बातों का ध्यान रखा जाना चाहिए ? उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए । 20

अथवा

रेडियो नाटक के प्रमुख प्रकारों का उल्लेख करते हुए बताइए कि रेडियो कार्यक्रमों में नाटकों का क्या महत्त्व है ।

3. रेडियो परिचर्चा का महत्त्व स्पष्ट करते हुए बताइए कि परिचर्चा का आयोजन करते हुए किस तरह की तैयारी की जानी चाहिए और किन बातों का ध्यान रखा जाना चाहिए । 20

अथवा

रेडियो में जन सहभागी कार्यक्रमों के प्रमुख प्रकारों की चर्चा करते हुए बताइए कि रेडियो में उनकी ज़रूरत क्यों पड़ती है ।

4. "रेडियो में किसी कार्यक्रम की सफलता मुख्यतः कॉम्पीयर पर निर्भर करती है ।" इस कथन के संदर्भ में रेडियो के कुछ कार्यक्रमों का उदाहरण देते हुए एक अच्छे रेडियो कॉम्पीयर के गुणों की चर्चा कीजिए । 20

अथवा

निजी एफ.एम. चैनलों और आकाशवाणी के कार्यक्रमों और प्रस्तुति की तुलना करते हुए उनकी कमियों और ख़ूबियों पर प्रकाश डालिए ।

5. निम्नलिखित में से किसी ***एक*** विषय पर दस मिनट का एक रेडियो रूपक या लघु नाटिका लिखिए : *20*

(क) गंगा नदी

(ख) होली का त्योहार

(ग) वैष्णव जन तेणे कहिए, जे पीर पराई जाणे रे

(घ) चाँद पर एक दिन

(ङ) कन्या भ्रूण हत्या — एक सामाजिक अभिशाप